

व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि - कटिंग और टेलरिंग

द्वारा

जिंती माता स्वयं सहायता समूह



SHG/CIG का नाम	,	जिंती माता
वीएफडी का नाम	,	द ग्रेज
श्रेणी	,	निचार
विभाजन	,	किन्नौर

इसके अंतर्गत तैयार:



हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के लिए परियोजना
प्रबंधन एवं आजीविका (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठों
1	एसएचजी/सीआईजी	3
2	लाभार्थियों का विवरण	4
3	गाँव का भौगोलिक विवरण	5
4	कार्यकारी सारांश	5
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	5
6	विवरणउत्पादनप्रक्रियाएँ	5-6
7	बिक्री और विपणन का विवरण	6
8	संकट विश्लेषण	6
9	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	6
10	अर्थशास्त्र	7
11	आय और व्यय का विश्लेषण	8
12	निधि आवश्यकताएँ	8
13	निधि के स्रोत	8
14	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	9
15	बैंक ऋण चुकौती	9
16	निगरानी विधि	9
17	टिप्पणियाँ	9
18	समूह सदस्यों की तस्वीर	9

1. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

2.1	SHG/CIG का नाम	,	जिंती माता
2.2	वीएफडीएस	,	द ग्रेज
2.3	श्रेणी	,	निचार
2.4	विभाजन	,	किन्नौर
2.5	गाँव	,	द ग्रेज
2.6	अवरोध पैदा करना	,	निचार
2.7	ज़िला	,	किन्नौर
2.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	,	12- महिलाएं
2.9	गठन की तिथि	,	07-01-2022
2.10	बैंक खाता सं.	,	406802010005151
2.11	बैंक विवरण	,	यूनियन बैंक ऑफ इंडिया NIchar
2.12	SHG/CIG मासिक बचत	,	100/- (प्रत्येक 15 तारीख को बैठक आयोजित की जाएगी)वां महीने का दिन
2.13	कुल बचत		
2.14	कुल अंतर-ऋण		
2.15	नकद क्रेडिट सीमा	,	
2.16	पुनर्भुगतान स्थिति	,	

2.लाभार्थी विवरण:

एक एक	नाम	डबल्यू/ओ	आयु	शिक्षा.	श्रेणी ओरी .	सामग्री संख्या	पद का नाम	पेशा
1	श्रीमती कांता देवी	श्री सुरजीत सिंह	36	ग्रेड	अनुसूचित जाति	8988056566	प्रधान	कृषको
2,	श्रीमती मनीषा	पुत्र कमलू राम	31	ग्रेड	अनुसूचित जनजाति	7876638937	सचिव	कृषको
3,	श्रीमती कृष्णा	श्री सुख लाल	37	8वां	अनुसूचित जनजाति	8988344314	केशियर	कृषको
4,	श्रीमती मीनाक्षी	श्री दीमाचंद	31	12 वीं	अनुसूचित जनजाति	7018470980	सदस्य	कृषको
5,	श्रीमती सोमलता	श्री अरुणकुमार	28	12 वीं	अनुसूचित जनजाति	8219499152	सदस्य	कृषको
6,	श्रीमती अमिता	डबल्यू/ओ श्री. धर्मेन्द्र	34	ग्रेड	अनुसूचित जनजाति	7018688837	सदस्य	कृषको
7,	श्रीमती सत्या देवी	श्री अनिल की पत्नी कुमार	26	12 वीं	अनुसूचित जाति	7807803652	सदस्य	कृषको
8,	श्रीमती सुनीता	श्री विद्या की पत्नी चंद	40	8वां	अनुसूचित जनजाति	9805345329	सदस्य	कृषको
9	श्रीमती गीता देवी	श्री लायक के साथ टक्कर मारना	36	12 वीं	अनुसूचित जाति	7807513585	सदस्य	कृषको
10	श्रीमती अंजलि	श्री रजनी की पत्नी कांत	25	12 वीं	अनुसूचित जनजाति	9015182682	सदस्य	कृषको
11	श्रीमती शारदा	श्री तारा के साथ चंद	31	12 वीं	अनुसूचित जनजाति	7018798893	सदस्य	कृषको
12	श्रीमती रितिका	डबल्यू/ओ श्री. बर्फ	27	12 वीं	अनुसूचित जनजाति	8988343177	सदस्य	कृषको

3. गाँव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	,	68 किमी
3.2	रेज कार्यालय से दूरी	,	2 किमी
3.3	मुख्य सड़क से दूरी	,	लगभग 1 किमी
3.4	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	,	रिकांगपिओ-64 किमी, भाबानगर-17 किमी, ज्योरी-42 किमी और रामपुर-65 किमी
3.5	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	,	रिकांगपिओ-64 किमी और रामपुर-65 किमी
3.6	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	,	रिकांगपिओ-64 किमी और रामपुर-65 किमी
3.7	उन स्थानों/स्थानों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	,	रिकांगपिओ, कश्पो, ग्राधे और पूजे, भाबानगर, जियोरी और रामपुर

4. कार्यकारी सारांश

वीएफडीएस क्षेत्र में कटिंग और टेलरिंग आम है और स्थानीय लोगों को महिलाओं और पुरुषों के कपड़ों की बेहतर सिलाई के लिए लगभग 50-60 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है। कटिंग और टेलरिंग एक आय सृजन गतिविधि है और इसे जिंती माता स्वयं सहायता समूह द्वारा चुना गया है। यह आईजीए शुरुआत में इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा शुरुआत में विभिन्न प्रकार के सूट और किन्नूरी टोपी और कमर कोट सिले जाएंगे। यह गतिविधि पहले से ही इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा की जा रही है। समूह के सदस्य शुरुआत में कम मशीनों के साथ काम करेंगे और जैसे-जैसे समूह के सदस्यों का कौशल/दक्षता में सुधार होगा तब समूह अधिक मशीनें खरीदेगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष की जाएगी। सूट और किन्नूरी टोपी और कमर कोट उपभोक्ता के ऑर्डर के अनुसार सिले जाएंगे और कपड़ा और अन्य सामग्री उपभोक्ता द्वारा प्रदान की जाएगी

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	,	सिले हुए सूट, किन्नूरी टोपी और कमर कोट और पारंपरिक पोशाकें
2	उत्पाद पहचान की विधि	,	यह गतिविधि कुछ स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	,	हाँ

6. उत्पादन योजना का विवरण

6.1	समय लिया	,	1 सूट को पूरा करने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
6.2	शामिल महिलाओं की संख्या	,	सभी महिलाएं.
6.3	कच्चे माल	,	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	,	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार

6.5	प्रतिदिन अपेक्षित सिले हुए सूट	,	शुरुआत में 5 सूट
-----	--------------------------------	---	------------------

7. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाजार स्थान/स्थान	,	गांवों ढका हुआ - भावनगर, रिकांगपिओ और रामपुर, निगुलसारी, जियोरी, झाकरी, शिलानी, कफौर और गुरेज
7.2	सिलाई कार्य की मांग	,	पूरे वर्ष भर तथा त्यौहारों और विवाह के अवसरों पर इसकी मांग अधिक रहती है।
7.3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	,	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
7.4	विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे ऑर्डर लेगे (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) आस-पास से ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं।

8. जोखिम विश्लेषण

- , कौशल आधारित
- , मांग-संचालित
- , अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से, स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और ज़िम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच कार्य का बंटवारा उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार किया जाएगा।

- , कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- , कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे। कुछ
- , समूह के सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

10. अर्थशास्त्र का विवरण:

एक।	पूँजीगत लागत			
क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल मात्रा (रु.)
1	सिलाई मशीन	12	6000	72000
2	इंटरलॉकिंग मशीन	3	6000	18000
3	दर्जी कैची	12	400	4800
4	टेलरिंग रूलर सेट	12	600	7200
5	सिलाई दर्जी नल	12	100	1200
6	आयरन प्रेस	3	500	1500
7	अलमारी	5	रास	6000
8	कांटा	3 सेट्स	400	1200
9	कुर्सियाँ, मेजे, आदि.	लगभग।	रास	8000
	कुल पूँजीगत लागत (ए) =			1,19,900

बी।	आवर्ती लागत				
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/महीना	250	10	2500
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकर्म, गर्दन आदि)	सूट/महीना	रास	रास	6000
3	किराया	महीना			1500
4	अन्य बिजली (अचल, बिल, मशीन परिवहन, मरम्मत)	महीना			1500
	वास्कट		30	1200	36000
	किन्नौरी कोट		7	3500	24500
	कुल आवर्ती लागत (बी)				72000

सी।	उत्पादन लागत (मासिक)	
क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	72000
2	पूँजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	1199
	कुल	73199

डी।	सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
1	साधारण सूट	1	1	250-300	
2	अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	
3	किन्नौरीटोपी	1	1	350-400	
4	वास्कट	1	1	1500—2000	

11. आय एवं व्यय का विश्लेषण (मासिक):

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	पूँजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	1199
2	कुल आवर्ती लागत	72000
3	टोटलस्टिचड सुविधाजनक होना प्रति महीना 200 (लगभग मात्रा)	,
4	सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
	किन्नौरी टोपी = 350 नग @ 400	140000
	कमरकोट=30नग @1500	45000
5	आय सृजन (200*250)	50000
	कुल आय सृजन	235000
6	शुद्ध लाभ (235000-72000)	163000
7	शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। क्या लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

12. निधि की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूँजीगत लागत	1,19,900	89,925	29,975
2	कुल आवर्ती लागत	72000	0	72000
3	प्रशिक्षण	80000(2प्रशिक्षण)	80000	0
	कुल	2,71,900	1,69,925	101,975

टिप्पणी-

- , पूँजीगत लागत- परियोजना के अंतर्गत पूँजीगत लागत का 75% कवर किया जाएगा
- , आवर्ती लागत-एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन की जाएगी।
- , प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

13. धन के स्रोत:

परियोजना समर्थन;	, पूँजीगत लागत का 75% होगा उपयोग किया गया खरीदने के लिए मशीनें. स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक की धनराशि जमा की जाएगी। प्रशिक्षण/क्षमता भवन/कौशल उन्नयन लागत।	खरीद मशीनों द्वारा किया जाएगा संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू बाद सभी कोडल औपचारिकताएं.
------------------	--	---

स्वयं सहायता समूह का योगदान	, पूंजीगत लागत का 25%	
	एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा।	
	, आवरती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

14. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। प्रस्तावित/आवश्यक कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन निम्नलिखित हैं:

- , टीम वर्क
- , गुणवत्ता नियंत्रण
- , पैकेजिंग और विपणन
- , वित्तीय प्रबंधन

15. ऋण चुकौती अनुसूची-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है, तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- , सीसीएल में, स्वयं सहायता समूह के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंको को पूर्ण रूप से किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- , सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंको में पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

16. निगरानी विधि-

- , वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- , एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा भी करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

17. टिप्पणियाँ

समूह सदस्यों की तस्वीरें-



अंजलि



सत्य



मेनाक्षी



किरशाना



कुछ लट्टा



कांता देवी



गीता



शारदा



अमिता



सुनीता



मनीषा



रितिका

समूह का सहमती पत्र

आज दिनांक.....जीनती माता सव्यम-सहायता समूह ग्रामे मे बैठक हुई यह बैठक प्रधान श्रीमती कान्ता देवी के अध्यक्षता मे हुई आज बैठक यह चर्चा की सभी सदस्यों ने यह निर्णय लिया कि वन जाइका वन विभाग की तरफ से जो धन राशि मिलेगी उसका उपयोग सिलाई सिखने के लिए किया जाएगा जिसके लिए सभी सदस्यों की सहमती प्रकट की है इस बैठक में सभी सदस्यों ने भाग लिया ।

Jcanti9

Pradhan Secretary
Jinti Mata Fashion Designer &
Tailor Self Help Group
P.O. & Teh. Nohar, Distt. Bhatinda
(HP) 1472103
समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

Manish9

Pradhan Secretary
Jinti Mata Fashion Designer &
Tailor Self Help Group
P.O. & Teh. Nohar, Distt. Bhatinda
समूह के सचिव के हस्ताक्षर

Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and Livelihoods

Memorandum of Understanding

Between

The Ghangarh Village Forest Development Society/ BMC Sub Committee

And

The Forest Department (represented by DFO Kinnaur, for Participatory Forest Management.

Whereas

The Ghangarh Village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee (hereinafter called "Society") has been constituted as per procedure described in the HP PFM Regulations notified by Govt. of HP vide No. FFE-C (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Pam III dated 19.11.2018, by the Villagers of Ghangarh village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee in district Kinnaur, and Forest Division Kinnaur, Himachal Pradesh and has an elected Executive Committee (hereinafter called "EC"),

as part of the Japan International cooperation Agency (JICA) supported "Project For Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and livelihoods" (hereinafter called "Project") the Micro plan (Forest Ecosystems Management Plan & Community Development & Livelihood Improvement Plan) for Forest Management and Community Development (hereinafter called "Plan") for Forest protection, rehabilitation and management of the specified forest areas has been jointly prepared by the Society and the Forest Division

the Plan contains details of program for conservation, management and development of forest areas, Biodiversity conservation, Livelihood improvement works and also the description of equitable distribution of usufructs obtained from allocated forest areas and public resources of the ward/village;

the Plan has been approved by the Officer in Charge of the Forest Division (here- in after called "Forest Officer") on behalf of Government of Himachal Pradesh;

Now here with

The Kinnaur Forest Division and the Society have mutually agreed on this MoU, and consequently. This MoU is executed with the following articles;

1. Purpose of the Memorandum of Understanding

This Memorandum of Understanding (hereinafter called "MoU") details the responsibilities of the Society regarding management and protection of forest areas) and village(s) resource development, in the manner specified in the Plan and for equitable distribution of benefits amongst its members. It further details payments and support to be provided by the project and the associated conditions.

- 2 Responsibilities of the Society**
- 2.1 With regard to its Constitution, working, powers, duties and benefits, the Society agrees to act in accordance with the HP Government Notification No. FFE-B-F (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Part- III dated 19.11.2018, and other relevant Government orders and instructions.
 - 2.2 The Society agrees to provide all necessary assistance to the Forest Officer in selection of forest area(s) to be allotted to it for forest management and development so that there is no dispute regarding areas of common use of nearby villages.
 - 2.3. The Society agrees to prepare and submit general house approved, quarterly physical & financial plans with budget requirements to FTU concerned for releasing funds after Plan's approval from PMU.
 - 2.4. The Society agrees to identify Community Development Activities (CDAs) in conformity with the CDA guidelines, decide on these through a consultative process and implement them according to the relevant standards as applicable.
 - 2.5. The Society agrees to carry out works laid out in the Plan for the forest area (such as planting, fencing, maintenance and protection) and in doing so, follow the principles of management of forest and wildlife specified therein, also taking into account the guidelines of the Government, prevalent legal provisions and technical principles. The Society will ensure that no existing acts/rules of forest/wildlife management are being violated.
 - 2.6. The Society agrees to contribute membership fee through its members/user groups. The amount with interest will be available to VFDS/BMC (Sub-Committee) after project closure and can be used by VFDS/BMC (Sub-Committee) consensus. The amount deposition to be done within six months.
 - 2.7. The Society agrees, after completion of the related works, to protect the forest area from fire, illicit grazing, illicit felling, and illicit transport. Illicit mining, encroachments and poaching and shall help the forest department in this regard.
 - 2.8. The Society agrees to pass the information regarding person(s) engaged in banning the wild animals and forests or those engaged in illegal activities on to the Forest Department. The Society agrees to help forest employees in apprehending such person(s) and provide all possible assistance in protecting any seized produce etc.
 - 2.9 The Society agrees to rectify any shortcomings found during review of its works by the Forest Officer/monitoring agency.
 - 2.10 The Society agrees to keep accounts of income and expenditure of the funds from various sources and also to get regular annual audits done by the agency assigned by the Forest Officer.
 - 2.11. The Society agrees to maintain the records specified by the project regularly and in prescribed formats.
 - 2.12. The Society agrees that the distribution of products and services generated as a result of implementation of the Plan among its members/User Groups is done in an equitable manner. If the Forest Officer points out any mismanagement or irregularity in the equitable distribution of such products and services, then the

- ☛ Society agrees to implement the necessary corrections/improvements suggested by the Forest Officer.
- 2.13. Society agrees to ensure that there will be no miss utilization of funds provided by Forest Department for implementing project activities.
- 2.14. Society will open two accounts of VFDS/BMC (Sub-Committee), One for FEMP implementation (FE Account) and second one as; revolving fund under Livelihood activities (CD&LI Account).
- 2.15 The funds and maintenance of account would be in accordance with Para-36 to 43 of the Bye-laws notified by Govt. on dated 19-11-2018 for VFDS under the Project.

3. Responsibilities of the Forest Department

- 3.1. The Forest Department will provide to the Society the related input materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in a timely manner.
- 3.2. The Forest Department will provide the payments specified in the Plan to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan in a timely manner. The Society to prepare and submit general house approved, six monthly physical & financial plans with budget requirements to DMU through FTU concerned for release of funds. DMU to release the fund to the VFDS/BMC (Sub-Committee)
- 3.3. Funds from other department's schemes as the Panchayat may be able to garner/converge, may also be used for activities that help meet the project's objectives.
- 3.4. The Forest Department shall provide the necessary advice and guidance to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan.
- 3.5 The Forest Department shall NOT be responsible for any loss in any of the works related to implementation of the Plan and no claim of any sort can be presented against Forest Department.
- 3.6 Forest Department will take legal action against any mis appropriation of fund by VFDS/BMC (Sub-Committee).

4. Support by the Project

- 4.1. The Project will provide funds for Community Development & Livelihood activities (CDAs) identified by the Society and in conformity with the CD&LIP guidelines, which will be implemented by the Society.
- 4.2. The Project will provide to the Society if required the related input/materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in the required qualities and quantities.
- 4.3. The Project will provide to the Society the payments specified in the Plan for implementation of works carried out in the PFM area on the basis of the Plan.
- 4.4. The Project will provide to the Society members training and other capacity building measures, as well as support for income generating activities as specified in the Plan.

- 4.5. The funds earmarked for Plantations, soil and water conservation, Biodiversity conservation etc., will be credited into the VFDS/BMC (Sub-Committee) bank account according to six-month plan requirement (prepared from Micro plan) of VFDS/BMC (Sub-Committee). In addition, VFDS/BMC (Sub-Committee) to open an account for Livelihoods activity.
- 4.6. Payment and receipt of project funds will be strictly by means of cheques online payment/RTGS etc. or bank transfers to the account of the Society. Society will further distribute fund similarly.
- 5. Rights and Benefit Sharing**
- 5.1. The Rights of right holders as admitted in the Forest Settlement will remain unaffected due to constitution of the Society and will continue to be exercised as heretofore.
- 5.2. The Benefits which Society members and their user groups will be entitled to after closure of plots / patches in the forest for various project interventions are as follows:
- i) to collect the yield such as fallen twigs, branches, lopping, grass, bamboos, fruits, flowers, seeds, leaf fodder and non-timber forest products free of cost through individual or collective arrangements as decided by the Society;
 - ii) to the sale proceeds of all intermediate harvest, subject to protection of forest and plantations for at least 3 years from the date of agreement;
 - iii) to organize and promote vocational activities related to forest produce and land; and other activities such as promotion of self-help groups which may provide direct benefits, including micro-lending to women. None of the activities so promoted shall affect the legal status of the forest land;
 - iv) recorded rights over the forest shall not be affected by these benefits;
 - v) after 5 years, the Society may expand the area, on the basis of a fresh agreement deed, by inclusion of adjoining or nearby areas;
 - vi) to utilize at least 40 percent of the sale proceeds on forest regeneration activities including soil and water conservation.
- provided that for the purpose of usufruct, the usufruct sharing family shall be one unit.
- 5.3. The Society will be entitled to their share of payments from intermediate and final felling, whenever they take place in this forest, as laid out in the PFM Regulations of HP, 2001,
- 6. Monitoring & Evaluation**
- 6.1. Monitoring and Evaluation of project activities will be done at different levels, including by the EC, a participatory monitoring committee and an independent third party apart from Project authorities.
- 6.2. The EC of VFDS/BMC (Sub-Committee) or any of its members will monitor progress and quality of work during execution of various works. The Member Secretary will record the date, places and names of EC members who checked the work(s) and whether works were satisfactory and any instructions given.

- 6.3. A participatory monitoring committee made up of members of the Society, a member from the Panchayat as well as a representative from the Forest Department (e.g. Deputy RO) will on quarterly basis review objectives, inputs and work progress and report to the whole Society. Their reports will then be sent to the Forest Officer for further action.
- 6.4. Where Society groups have carried out or are responsible for activities like social fencing, fire prevention, plantations or maintenance of plantations, annual monitoring will be carried out by Project-approved monitors (Third Party) and the results of this monitoring linked to release of payments, a) for social fencing in lieu of barbed wire fencing, b) for fire prevention as specified in the Plan and c) for survival in forest plantations as given in the agreed to norms for that activity.
- 6.5. Settlement of Disputes: Settlement of disputes and conflict resolution will be governed as laid out under para 47, 48 and 49 of the Bye Laws notified by GoHP.

Memorandum of Understanding

We are aware that the benefits mentioned in this agreement shall be available to the Society only when it discharges its duties, responsibilities and works in a satisfactory manner and this is certified by the Forest Officer every year. However, if the Forest Officer fails to fulfill conditions mentioned in Para 3 and 4 of this agreement and this is a cause for the Committee not able to discharge its responsibilities and works, and then it will be kept in mind while evaluating the works of the Committee every year.

I Dinakar Chaudhary, President, G. S. Ranga Joint VFDS/BMC

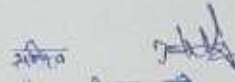
Business Plan Approval by VFDS & DMU

Jinti mata Self help group will undertake the cutting and tending
As livelihood generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh
Forest Ecosystems & management & livelihood (JICA Assisted). In this regard business plan
of amount (Rs.) Rs. 71,900 has been submitted by this group on dated _____
_____ and this business plan has been approved by Guanjo VFDS Business
Plan with SHG resolutions being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thankyou


गुनजो डीएसजी प्रमो,
तहो निवार, जिला किन्नौर हि०प्र०

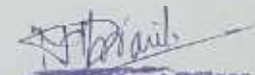
Signature of VFDS Pradhan


गुनजो डीएसजी प्रमो,
तहो निवार, जिला किन्नौर हि०प्र०

Signature of VFDS Secretary


Signature of Forest Guard


Signature of Block forest officer


Range Forest Officer
Nichear Forest Range
Signature of Range Forest officer


Approved
DMU-cum
Deputy conservator forests,
Kinnaur Division at R/Peo

Resolution -cum-group consensus form

It is decided in the general house meeting of the Self Help Group Jinti Mara Held on at Changl that our self help group will undertake the Cutting and Tailoring livelihood income generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted.)

1cantg

Pradhan Secretary
Jinti Mara Fashion Designer &
Tailor Self Help Group Grange,
P.O. & Teh. Nichar, Distt. Kinnaur
(HP)-172103
Signature of Group Pradhan

Manishg

Pradhan Secretary
Jinti Mara Fashion Designer &
Tailor Self Help Group Grange,
P.O. & Teh. Nichar, Distt. Kinnaur
(HP)-172103
Signature of Group Secretary